(ग) क्या उक्त समझौतों से राज्य की विद्युत समस्या को दूर किया जा सकेगा; और

(घ) यदि हां, तो किस हद तक?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) जी नहीं।

(ख) और (घ) प्रश्न उत्पन्न नहीं होते।

विभिन्न क्षेत्रों के लिये बिजली की कीमत

3912. **श्री सुखदेव सिंह ढिडसा**:

श्री बरजिंदर सिहं:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1996-97 में कृषि क्षेत्र तथा घरेलू उपयोग क्षेत्र में प्रति यूनिट बिजली की कीमत क्रमशः 22 पैसा तथा 1.04 रुपए थी और व्यापारिक तथा औद्योगिक क्षेत्रों में यह क्रमशः 2.63 रुपए तथा 2.60 रुपए प्रति यूनिट थी;

(ख) यदि नहीं, तो सरकार के आंकलन के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर औसत कीमत क्या-क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर बिजली उत्पादन की लागत का कोई आंकलन किया है यदि हां, तो प्रति यूनिट औसत लागत क्या है; और

(घ) देश में वर्ष 1996-97 में कुल बिजली उत्पादन का कितना-कितना प्रतिशत कृषि, घरेलू उपयोग, व्यापारिक एवं औद्योगिक क्षेत्र में उपयोग किया गया है?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) और (ख) 31.3.1997 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, घरेलू वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों (ईंधन मूल्य समायोजन समेत) के लिये टैरिफ निम्न अनुसार था:—

कृषि— 0.00 से 160 पैसे/कि.वा.घं. भिन्न

घरेलू— 38.5 से 404.5 पैसे/कि.वा.घं. भिन्न

औद्योगिक— 99 से 535 पैसे/कि.वा.प्रति घं. भिन्न

वाणिज्यिक— 91.5 से 590 पैसे/कि.वा. प्रति घं. भिन्न

(ग) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा हाल ही में स्वीकृत परियोजनाओं को तकनीकी आर्थिक स्वीकृति प्रदान करने के समय भारत सरकार के मानदंड और लागू होने वाली विनिमय दरों, पूंजीगत लागत, अंतरिम वित्तीय पैकेज के आधार पर 12% छूट दर और 68.49% संयंत्र भार अनुपात पर समस्तरीय टैरिफ में ताप विद्युत परियोजनाओं के लिये 198 पैसे/कि.वा.घं से 361 पैसे/कि.वा.घं. तथा जल विद्युत परियोजना के लिये 131 पैसे/कि.वा.घं. से 351 पैसे/कि.वा.घं. का अंतर है।

(घ) वर्ष 1996-97 के लिये अखिल भारतीय आधार पर उपभोक्ताओं के विभिन्न वर्गों को बेची गई कुल ऊर्जा में से प्रयुक्त विद्युत की प्रतिशतता निम्नलिखित है:—

कृषि	29.61%
घरेलूग	19.76%
औद्योगिक	37.56%
वाणिज्यिक	6.22%
अन्य	6.85%
कुल:	100.0

निजी विद्युत उपक्रमों द्वारा निधियों का उपयोग न किया जाना

3913. **श्री अखिलेश दास**: क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या निजी विद्युत उपक्रम अपनी वार्षिक निधियों का पूरी तरह उपयोग नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण विलम्ब हो रहा है तथा इसकी लागत में भी वृद्धि हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने उक्त निधियों की जांच की है;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान उनके द्वारा कितनी धनराशि का ऋण लिया गया और क्या उसका उपयोग किया गया; और

(ङ) वर्ष 1997-98 के लिये विद्युत की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है और कितना लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) से (घ) भारत निजी की उन 126 विद्युत परियोजनाओं के महत्वपूर्ण पैरामीटरों को मानीटरिंग कर रही है जिनके लिये विद्युत प्राधिकरण की तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति अपेक्षित है। सरकार स्वयं इन परियोजनाओं के विकासकर्ताओं को किसी प्रकार का ऋण संवितरण नहीं करती है। तथापि, उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार लगभग 9600 मे.वा. की कुल क्षमता के

लिये 22 परियोजनाओं द्वारा भारतीय वित्तीय संस्थानों से लगभग 16000 करोड़ रुपये का ऋण सुनिश्चित किया गया है जिनमें से अभी तक 9 परियोजनाओं ने वित्तीय समापन प्राप्त कर लिया है।

(ड़) वर्ष 1997-98 के लिये निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में विद्युत परियोजनाओं के लिये 3239 मे.वा. क्षमता अभिवृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसकी तुलना में उपलब्धियां 3283.3 मे.वा. थी।

टिहरी बांध की लागत में वृद्धि होना

3914. **श्री मनोहर कांत ध्यानी**: क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि टिहरी पन बिजली परियोजना का आकार वर्ष 1987 के 1370.86 करोड़ रुपये से बढ़कर 4570 करोड़ रुपए हो गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सन 2002 तक इस राशि के 6000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की संभावना है;

(ग) इन चार वर्षों में प्रति वर्ष कितनी धनराशि व्यय किये जाने का विचार है; और

(घ) किया इस लक्ष्य को प्राप्त करने हुतु हर संभव उपाय किये गये हैं, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम): (क) और (ख) दिसम्बर, 1997 के मूल्य स्तर पर परियोजना की अनुमानित लागत 4657.23 करोड़ रुपए है। परियोजना की अनुमानित लागत मार्च, 2002 में चालू किये जाने के कार्यक्रम के साथ कार्यान्वयन के दौरान सामान्य मूल्य वृद्धि के अध्याधीन होगी।

(ग) 1642.45 करोड़ रुपए की राशि मार्च, 1998 तक खर्च की जा चुकी है। परियोजना प्राधिकारियों द्वारा तथा प्रक्षिप्त किये गये के अनुसार मार्च, 2002 में चालू किये जाने के कार्यक्रम के साथ 4657.23 करोड़ रुपए के संशोधित लागत अनुमानों के आधार पर निधियों की वर्ष-वार आवश्यकता निम्नलिखित है:—

वर्ष	निधियों की प्रक्षिप्त आवश्यकता (करोड़ रुपए में)
1998-99	530.00
1999-2000	714.46
2000-01	750.00
2001-02	750.00
2002-03 (स्पिलओवर व्यय)	270.32
जोड़	3014.78

(घ) जी, हां। परियोजना के प्रमुख सिविल निर्माण कार्यों की निर्माण संबंधी गतिविधियों प्रगति पर हैं। उत्पादन उपस्कर के "आर्डर" दिये जा चुके हैं। मार्च, 2002 तक परियोजना को पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिये परियोजना की निर्माण संबंधी गतिविधियों के लिये वर्ष-वार लक्ष्य तैयार किये गये हैं।

टिहरी बांध की झील के डूब क्षेत्र में आने वाले संभावित गांव

3915. **श्री मनोहर कांत ध्यानी**: क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि टिहरी बांध की झील से लगभग नब्बे गांवों के पूर्णतः या अंशतः डूबने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो अंशथः डूबने वाले संभावित गांवों की सही-सही संख्या क्या है;

(ग) पूर्णतः डूबने वाले संभावित गांवों की सही-सही संख्या क्या है;

(घ) पूर्णतः डूबने वाले गांवों में रहने वाले परिवारों की संख्या क्या है; और

(ङ) अब तक कितने गांवों और परिवारों का पुनर्वास किया जा चुका है?

विद्युत मंत्री (रंगराजन कुमारमंगलम): (क) और (ग) टिहरी बांध के जलाशय से कुल 96 बांध डूब जाएंगे जिसमें से 22 गांव पूर्णतः डूबेगें और 74 गांव अशतः डूब जाएगें।

(घ) जलमग्नता के कारण कुल मिलकर 4226 पिरवार (22 पूर्ण जलमग्नता वाले गांवों से संबंधित 2301 परिवार समेत) पूर्णतः प्रभावित होंगे।?